

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP)**

Term-End Examination

00475 **December, 2014**

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-007 : ETHICS

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer *all the five* questions. All questions carry equal marks. Answer to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

1. What do you understand by moral experience ?
What is its philosophical significance ? 20

OR

What is an Ethical norm ? Are ethical norms given by intuition ? What are the objections to intuitionism ? 20

2. Explain in detail the Ethical teachings of the Buddha. 20

OR

“Ethics is a pre-requisite condition for liberation according to both Classical orthodox and heterodox systems of Indian philosophy.”
Discuss. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about 200 words each :
- (a) What are the four cardinal virtues according to Plato ? Explain. 10
 - (b) How is Karma Yoga presented in the Bhagavad-Gita ? 10
 - (c) What is human action ? What are the impediments for human acts ? 10
 - (d) Explain the significance of the 'Principle of mean' in Aristotelian ethics. 10
4. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :
- (a) Is Ethics related to religion ? 5
 - (b) What are the salient features of Epicurean Ethics ? 5
 - (c) "Freedom of will is fundamental to Kantian Ethics." Explain. 5
 - (d) What is ethics of capability according to Amartya Sen ? 5
 - (e) What is the religious point of view against suicide ? 5
 - (f) State Gandhi's description of seven sins. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about 100 words each :

- | | |
|-----------------------------|---|
| (a) Normative Ethics | 4 |
| (b) Conscience | 4 |
| (c) Moral Laxity | 4 |
| (d) Terrorism | 4 |
| (e) Sati and Child marriage | 4 |
| (f) Aesthetics | 4 |
| (g) Intrinsic evil | 4 |
| (h) Satya | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-007 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में
दीजिए ।

1. नैतिक अनुभव से आप क्या समझते हैं ? इसके दार्शनिक महत्त्व क्या हैं ? 20

अथवा

नैतिक नियम (प्रतिमान) क्या है ? क्या नैतिक नियम (प्रतिमान) अन्तःप्रज्ञा की उपज होते हैं ? अन्तःप्रज्ञावाद के विरुद्ध क्या आपत्तियाँ प्रस्तुत की जाती हैं ? 20

2. बुद्ध की नैतिक शिक्षाओं की विस्तार से व्याख्या कीजिए । 20

अथवा

“भारतीय दर्शन के शास्त्रीय आस्तिक (orthodox) दार्शनिक सम्प्रदाय और अनास्तिक (heterodox) सम्प्रदाय दोनों के अनुसार नैतिकता मोक्ष प्राप्त करने की पूर्व-अनिवार्य शर्त है ।” विवेचना कीजिए । 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :
- (क) प्लेटो के अनुसार चार प्रधान सदगुण कौन-से हैं ?
व्याख्या कीजिए । 10
- (ख) भगवद्-गीता में कर्म योग को कैसे प्रस्तुत किया गया है ? 10
- (ग) मानव-क्रिया/व्यवहार क्या है ? मानव-क्रिया को बाधित करने वाले कारक कौन-से हैं ? 10
- (घ) अरस्तूवादी नीतिशास्त्र में 'मध्यम मार्ग के सिद्धान्त' के महत्त्व की व्याख्या कीजिए । 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :
- (क) क्या नीतिशास्त्र धर्म से सम्बन्धित है ? 5
- (ख) ऐपीक्यूरोसवादी नीतिशास्त्र की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? 5
- (ग) "कांटीय नीतिशास्त्र के मूल में इच्छा की स्वतन्त्रता है ।" व्याख्या कीजिए । 5
- (घ) अमर्त्य सेन के अनुसार सामर्थ्य-नीतिशास्त्र क्या है ? 5
- (ङ) आत्महत्या के विरुद्ध धार्मिक प्रतिवाद क्या है ? 5
- (च) गाँधी के सात प्रकार के पापों के वर्णन को स्पष्ट कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

- | | |
|-----------------------------------|---|
| (क) नियामक नीतिशास्त्र | 4 |
| (ख) अन्तःकरण (Conscience) | 4 |
| (ग) नैतिक लापरवाही (Moral Laxity) | 4 |
| (घ) आतंकवाद | 4 |
| (ङ) सती और बाल विवाह | 4 |
| (च) सौन्दर्यशास्त्र | 4 |
| (छ) आन्तरिक/मूल अशुभ | 4 |
| (ज) सत्य | 4 |
-